

हापुड़ उत्तरप्रदेश से प्रकाशित, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, शामली, अमरोहा, मेरठ, लखनऊ से प्रसारित

दैनिक उजाला हितैषी एक्सप्रेस

सबका हित सबका विकास

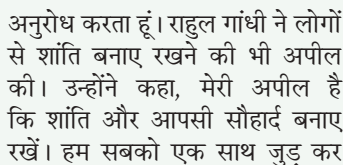


मूल्य:03 पेज: 06

यूपी में बसपा पर सियासी संकट,
छोटे दलों से भी खा रही मात

लेटेंगे। पंरिष्ठ राजनीतिक विरलेषक वीरंरिंह सिंह रावत कहते हैं कि बसपा का चुनाव रर चुनाव परफॉर्मंस खराब होता आ रहा है। लोकसभा के बाद हुल उपचुनाव में बसपा का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। उसे कई सीट पर छोटे दलों से भी कम वोट मिले हैं। उन्होंने बताया कि बसपा के किसी बड़े नेता ने नौ सीटों के उपचुनाव को गंभीरता से नहीं लिया। किसी ने यहां पर प्रचार करने की जहमत भी नहीं उठाई। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव प्रचार देखने के चक्कर में यूपी की जमीन चली गई। उन्होंने कहा कि लोकसभा के बाद उपचुनाव में भी बसपा अपना खता नहीं खोल सकी। इतना ही नहीं। उपचुनाव में बसपा पश्चिमी यूपी सहित छह सीट पर सीट पर जमात तक नहीं बचा सकी। ऐसे में उसके सियासी भविष्य पर खतरा है।

**संभल में असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने बिगाड़ा
माहौल, भाजपा सरकार है जिम्मेदार - राहुल गांधी**



प्रियंका ने भी संभल मामले में सर्वोच्च न्यायालय से की हस्तक्षेप की मांग

संज्ञान सरकार तथा मा. सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए। गौतमलाल है कि संभल में एक मजिस्ट्रेट पर न्यायालय के आदेश पर दोबारा सर्वे करने गयी टीम पर समुचित विशेष के लोगों ने पथरबाज किया था।

उम्मादी भौड़ ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस बल ने आंसू गैस और लाठी भांज कर भीड़ को खदेड़ मार इस बीच हुयी गोलीबारी में तीन लोगों को मौत हो गयी थी जबकि पुलिसकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गये थे।

घायलों में दो और की आज मृत्यु हो जाने से मृतकों की संख्या बढ़ कर पांच हो गयी है। जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर संभल तहसील क्षेत्र में इंटरनेट सेवा और शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया है। जिले में तनावपूर्ण शांति नहीं हुयी है और सुरक्षा बल लगातार गश्त कर रहे हैं।

चिन्ता जताते हुये उच्चतम न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। सुप्री वाड़ा ने सोमवार को एक्स पर लिखा, संभल, उत्तर प्रदेश में अक्सर उठे विवाद को लेकर साराक का रवैया बेहद भेदभागीपूर्ण है। इनके संवेदनशील मामले में बिना दूसरा पक्ष सुने, बिना दोनों पक्षों को विश्वास में लिए प्रशासन ने जिस तरह हड़बड़ी के साथ कार्रवाई की, वह दिखता है कि सरकार ने खुद माहौल खराब किया। प्रशासन ने जल्दी प्रक्रिया और कर्तव्य का पालन भी जरूरी नहीं समझा। उन्होंने कहा, सत्ता में बैठकर भेदभाव, अत्याचार और फट्टे फैलाने का प्रयास करना न जनता के हित में है, न देश के हित में। माननीय सुप्रीम कोर्ट को इस मामले का सज्ञान लेकर न्याय करना चाहिए। इससे पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने संभल में मस्जिद पर सर्वे को तनाव फैलाने की साजिश बताते हुये उच्चतम न्यायालय से दखल की मांग की थी। उन्होंने प्रदेश की जनता से शांति बनाए रखने की अपील की थी। श्री यादव ने एक्स पर पोस्ट किया सर्वे के नाम पर तनाव फैलाने की साजिश का 'सर्वोच्च न्यायालय' तुरंत सज्ञान ले और जो अपने साथ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के उद्देश्य से नारेबाजों को ले गये, उनके खिलाफ शांति और सौहार्द बिगाड़ने का मुकदमा दर्ज हो और उनके खिलाफ 'फार एसोसिएशन' भी अनुशासनात्मक और दंडात्मक कार्रवाई करे। उप्र शासन-प्रशासन से न कोई उम्मीद थी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा, यूपी के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर अवाक विवाद, सुनवाई और फिर उसके फौरन ही बंद आपाधापी में सर्वे की खबरें राष्ट्रीय चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में है, किन्तु इस प्रकार से संदर्भाव व माहौल को बिगाड़ने का

सज्ञान सरकार तथा मा. सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए। गौरलाल है कि संभल में एक मस्जिद पर न्यायालय को आदेश पर दोबारा सर्वे करने गयी टीम पर समुदाय विशेष के लोगों ने पथराव किया था। उमादी भीड़ ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस बल ने आसु गैस और लाठी भाज कर भीड़ को खदेड़ा मगर इस भीे बीच हुयी गोलीबारी में तीन लोगों को मौत हो गयी थी जबकि पुलिसकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गये थे। घायलों में दो और की आज मृत्यु हो जाने से मृतकों की संख्या बढ़ कर पांच हो गयी है। जिला प्रशासन ने एहतियाती के तौर पर संभल तहसील क्षेत्र में इंटरनेट सेवा और शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया है। जिले में तनावपूर्ण शांति बनी हुयी है और सुरक्षा बल लगातार गस्त कर रहे हैं।

येलेखरम स्थित गोशाला से गोखन्ना
मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिचर-
नरस (पुनरु नरस की नवीनतम बीज-
कंद के दो गोवंश भवानी और भोलू कं
खुब दुलारा तथा अपने हाथों से उन्हें
चाबा (बरसीम) खिलाया। मुख्यमंत्री
ने अन्य गोवंश की भी खुब दुलारे से
बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला
के भी कार्यकर्ताओं को देहभाला वै
लिए जरूरी निदेश दिए। मंदिर परिसर
का भ्रमण करने के दौरान सीएम यास
जब भीम सरोवर पर पहुंचते तो वह
बतायों का समूह विचारण कर रह
गए। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चा
खिलाकर बतयों पर भी स्नेह बरसाया।

